माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जायें ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड			परीक्षा का माध्यम
Hindi	0	5	1	English medium

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

उत्तर पुस्तिका का क्रमांक – 321 – 948265

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में

2	2	2	6	2	5	4	6	6

शब्दों में

Two	Two	Two	Six	Two	Five	Four	Six	Six

नीचे दिये गये उदाहरण अनुसार रोल नम्बर भरें।

उदाहरणार्थ								
1	1	2	4	3	9	5	6	8
एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

क – पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंको में 01 शब्दों में एक

ख – परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 10

ग – परीक्षा की दिनांक 19 02 2022

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकेण्डरी परीक्षा सन् 2022 | परीक्षा केन्द्र क्रमांक-261004

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर: शिवराज खान 19/2/022

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर: [signature]

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जायें ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तनुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया अन्दर के पृष्ठों के अनुरुप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदाकिंत संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
नाम- रघु शर्मा पद- उ.मा.शि. पता- शा.क.उ.मा.वि. आगर	M.S. ALAWA V.N. 8758 Go.G.H.S.S. SUSNER

नोट :- हायर सेकेन्डरी परीक्षा में केवल वाणिज्य संकाय के विषयों तथा हाईस्कूल परीक्षा में प्रायोगिक विषय को छोड़कर शेष विषयों हेतु नियमित एवं स्वाध्यायी
पत्र 100 अंकों का होगा किन्तु नियमित छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक
स्वाध्यायी छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक ही अंकसूची में प्रदर्शित कि

केवल परीक्षक द्वारा भरा जायें

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्ठी करें

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्ताक (अंको में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

कुल प्राप्तांक शब्दों में	कुल प्राप्तांक अंकों में

विशेष नोट :- सिलाई खुली हुई अथवा क्षतिग्रस्त उत्तर पुस्तिका को न तो पर्यवेक्षक वितरण करें और न ही छात्र उपयोग में लें। ऐसी उत्तर पुस्तिका में लिखें उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा।

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जायें → केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जायें → परीक्षार्थी द्वारा भरा जायें →

MPBSE

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 1 का उत्तर

(i) (ब) जग - जीवन का
(ii) (स) तुलसीदास की
(iii) (ब) जब मन खाली न हो
(iv) (द) चाँद सिंह को
(v) (अ) आनन्द यादव
(vi) (द) उपरोक्त सभी

प्रश्न क्रमांक 2 का उत्तर

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(i) प्रत्याशा
(ii) लछमिन
(iii) मराठी
(iv) कम
(v) उत्साह
(vi) मात्रिक
(vii) आकाश

मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

M P B S E

प्रश्न क्रमांक 3 का उत्तर

सही जोड़ी बनाइए:

(i) बात की चूड़ी मर जाना → (द) बात का प्रभावहीन हो

(ii) अवधूत → (क) शिरीष के फूल

(iii) सिल्वर वैडिंग → (इ) यशोधर बाबू

(iv) कहानी का केन्द्रीय बिन्दु → (अ) कथानक

(v) चौपाई छन्द → (ब) 16-16 मात्राएँ

(vi) तत्सम → (स) संस्कृत के मूल शब्द

प्रश्न क्रमांक 5 का उत्तर

(i) सूर्योदय होने पर ऊषा का जादू टूटता है।

(ii) पहलवान लुट्टन सिंह के ~~तीन~~ दो पुत्र थे।

(iii) सिन्धु सभ्यता का सबसे बड़ा नगर

मोहनजो ~~मोहन~~ ~~जोदड़ो~~ था।
मुअनजो-दड़ो

योग

प्रश्न क्र.

(iv.) आमतौर पर रेडियो नाटक की अवधि 15 से 30 मिनट तक की होनी चाहिए।

(v.) शब्दगुण तीन प्रकार के होते हैं।

(vi) सभी को समान समझना।

(vii) क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्द क्रिया विशेषण कहलाते हैं।

M
P
B
S
E

Laser, Inkjet & Copier Label S

33.9mm x 16

प्रश्न 5 का उत्तर

(i.) 'असत्य'
(ii.) 'असत्य'
(iii.) 'सत्य'
(iv.) असत्य
(v.) असत्य
(vi) 'असत्य'

99.1mm x

T-16 A4

मध्यप्रदेश
M P B S E

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 16 का उत्तर

गोस्वामी तुलसीदास

1. रचनाएँ ⇒ (क) 'रामचरितमानस'
(ख) 'गीतावली'

2. भाव पक्ष - कला पक्ष

⇒ सगुण काव्यधारा के राम भक्ति शाखा के कवि 'गोस्वामी तुलसीदास' में भक्ति से कविता बनाने की सहज कला है।
गोस्वामी तुलसीदास 'लोकमंगल की साधना' के कवि है। इनको संस्कृत ज्ञान का ज्ञान होने के बावजूद इन्होंने 'ब्रज' एवं 'अवधी' भाषाओं को अपनाया।
इन्होंने अपने काव्य में विभिन्न रसों का प्रयोग किया है। ये एक महान दर्शनिक कवि है। इनकी काव्य रचनाओं की भाषा सरल, सहज एवं व्याकरण सम्मत है।
इनकी रचनाओं में संस्कृत के तत्सम शब्दों का सम्मिलित रूप भी देखने को मिलता है। इन्होंने 'रामचरितमानस' जैसे अद्वितीय महाकाव्य का सृजन करके भरपूर प्रतिष्ठा प्राप्त की है। इनकी रचनाएँ छंदों और गुणों से परिपूर्ण है।

प्रश्न क्र.

(iii) साहित्य में स्थान

→ गोस्वामी तुलसीदास का नाम हिन्दी साहित्य में अमर है। इनकी तुलना भविष्य में असम्भव नहीं।
अतः इनके बारे में कहा जा सकता है -

"जब तक गंगा की धवल धारा बहती रहेगी, तब तक इनका नाम हिन्दी साहित्य में अमर रहेगा।"

MPBSE

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 17 का उत्तर

हजारी प्रसाद द्विवेदी

1. रचनाएँ (क) 'अशोक का फूल'
(ख) 'बाणभट्ट की आत्मकथा'

2. भाषा-शैली : हजारी प्रसाद द्विवेदी की भाषा-शैली परिपक्व है।

(अ) भाषा → हजारी प्रसाद द्विवेदी जी की भाषा ~~है~~ सरल, सहज एवं प्रवाहपूर्ण है। इनकी ~~रचना~~ रचनाओं में उर्दू और अंग्रेजी के शब्दों की झलक देखने को मिलती है। इन्होंने आंचलिक एवं ग्रामीण शब्दों का प्रयोग करके भाषा को आकर्षित बनाया है। इनके वाक्य छोटे और विचार-पूर्ण हैं। इनकी रचनाओं में तत्सम एवं तद्भव शब्दों का रूप भी देखने को मिलता है। इन्होंने अपनी भाषा में लालित्य लाने के लिए मुहावरों का भी प्रयोग किया है।

(ब) शैली → इनकी शैली में विविधता देखने को मिलती है। इनकी शैली विषयानुकूल है। इन्होंने अपने काव्य को वर्णनात्मक, भावात्मक और विचारात्मक शैली से संवारा है।

M
P
B
S
E

प्रश्न क्र.

(iii) साहित्य मे स्थान

हजारी प्रसाद द्विवेदी का हिन्दी साहित्य में विशिष्ट योगदान है।
इनका नाम हिन्दी साहित्य में स्वर्णाक्षरों में लिखा है।

M P B S E

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 20 का उत्तर (अथवा)

(क) कविता एक उड़ान .... चिड़िया क्या जाने ?

सन्दर्भ: प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्पुस्तक आरोह - भाग 2 में संकलित 'कविता के बहाने' कविता से अवतरित है।
इसके रचयिता नागर संवेदना के कवि 'कुँवर नारायण जी' हैं।

प्रसंग: प्रस्तुत पद्यांश में 'कुँवर नारायण जी' ने कविता की तुलना चिड़िया से करते हुए कविता की उड़ान को असीमित बताया है।

व्याख्या: कवि 'कुँवर नारायण' कहते हैं कि जिस प्रकार एक चिड़िया अपने पंखो के सहारे आकाश मे उड़ान भरती है और एक जगह से दूसरी जगह पहुंचती है। ठीक उसी प्रकार एक कवि भी अपने कल्पना रूपी पंखो के सहारे अनन्त तक की उड़ान भरता है। एक चिड़िया को तो एक निश्चित समयावधि के बाद जमीन पर आना पड़ता है किन्तु कविता द्वारा भरी गई उड़ान अनन्त की होती है।

तक

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश
MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

कहा गया है कि -

" जहाँ ना पहुँचे रवि, वहाँ पहुँचे कवि "।

अर्थात् सीमित उड़ान भरने वाली चिड़िया कविता की अनन्त तक की भरी उड़ान को भला कैसे जान सकती है?

MPBSE
M P B S E

MPBSE

प्रश्न क्रमांक 21 का उत्तर (अथवा)

सन्दर्भ: रात्रि की विभीषिका .... भरती थी।

सन्दर्भ: प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक आरोह भाग-2 में संकलित कहानी 'पहलवान की ढोलक' से अवतरित है।
इसके रचयिता 'फणीश्वर नाथ रेणु' हैं।

प्रसंग: प्रस्तुत गद्यांश में बताया गया है कि मलेरिया और हैजे जैसी बिमारियों से जूझते हुए गाँव को लुट्टन पहलवान की ढोलक की आवाज संजीवनी शक्ति प्रदान करती है।

व्याख्या: मलेरिया और हैजे से पीड़ित गाँव के लोग रात्रि की विभीषिका में भयत्ति शिशु के भाँति काँप रहा है।
चारों ओर सन्नाटा छाया हुआ है।
रात्रि की इस विभीषिका को केवल "लुट्टन की ढोलक की आवाज ही इस सन्नाटे में जीवन्तता का अहसास करा रही है।
मौत के मुहँ में जाते हुए लोगों को लुट्टन की ढोलक की आवाज साहस और संजीवनी शक्ति प्रदान कर रही है।

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSEC

प्रश्न क्र.

पहलवान की ढोलक की आवाज को सुनकर मरते हुए लोगों को अपनी मृत्यु का भय नहीं है।

अतः पहलवान की ढोलक की आवाज लोगों को संजीवनी शक्ति प्रदान कर रही है।

www.odiyindia.com

M P B S E

प्रश्न क्र.

MPBSE

प्रश्न क्रमांक 23 का उत्तर

अनुच्छेद लेखन

पर्यावरण प्रदूषण: उसकी रोकथाम में आपका योगदान

"साँस लेना अब मुश्किल हो गया है,
वातावरण इतना प्रदूषित हो गया है"

प्रकृति मूलतः शुद्ध, पवित्र एवं स्वास्थ्यवर्धक ही होती है। किन्तु यदि यह किन्हीं कारणों से दूषित हो जाती है, तो मानव के विकास एवं उसके स्वास्थ्य के लिए घातक बन जाती है। प्रदूषण का अभिप्राय है - 'प्राकृतिक वातावरण एवं वायुमंडल का दोषपूर्ण होना'।

मनुष्यों की विनाशक क्रियाओं के कारण आज हमारा वातावरण दिन प्रति दिन प्रदूषित होता जा रहा है। आधुनिक युग के प्रदूषणों में वायु प्रदूषण एक गम्भीर समस्या बनी हुए है। कारखानों, मशीनों से निकलने वाली हानिकारक गैसें हमारे वातावरण को और अधिक प्रदूषित कर रही है। वायु प्रदूषण के कारण जीवधारियों में अनेक प्रकार के गम्भीर रोग उत्पन्न होते है।

वायु प्रदूषण की तरह ही जल प्रदूषण की भी समस्या विकराल रूप धारण करके हमारे सामने खड़ी है।

जल सभी जीवधारियों का आधार है। इसमें कई तत्व मौजूद होते हैं लेकिन यह सभी तत्व एक निश्चित अनुपात मे होते है। जब मनुष्यों की गतिविधियों के कारण यह अनुपात कम या ज्यादा हो जाता है, तो यह जल प्रदूषित हो जाता है। आज कारखानों से निकलने वाले गंदे पानी को नदियों मे छोड़ दिया जाता है, जिस कारण जल प्रदूषित होता जा रहा है।

ध्वनि प्रदूषण भी कम हानिकारक नहीं है। इसके कारण सिरदर्द, बहरापन तथा कई मानसिक रोग उत्पन्न होते है। गाड़ियों की ~~बू~~ आवाज, परमाणु बमों की आवाज से कई ~~मानसिक~~ मानसिक समस्याएं उत्पन्न हो रही है। प्रदूषण किसी भी रूप मे हो इसका प्रभाव सदैव घातक ही होता है। विज्ञान की ~~घटना~~ घोषणा के अनुसार-

"यदि बढ़ते हुए प्रदूषण पर लगाम नहीं लगाई गई, तो लगभग कुछ वर्षों के बाद पृथ्वी पर जीवधारियों का रहना

MPBSE

ST-16

प्रश्न क्र.

असम्भव हो जायेगा।"

अतः बढ़ते हुए प्रदूषण की समस्या को देखते हुए हमे इसे रोकने के उपायों पर अमल करना जरूरी है। इसके लिए, हमारा कर्तव्य है कि हम प्रकृति प्रदूषण की रोकथाम हेतु अपना योगदान दें।

" प्रकृति है अनमोल खजाना, सब कुछ है उपलब्ध यहाँ।
अगर यह नष्ट हो गया, जायेगा फिर कौन कहाँ।"

M P B S E

प्रश्न क्र.

~~प्रश्न क्रमांक २ का उत्तर~~

~~बच्चे अपनी माता-पिता की प्र प्रत्याशा~~

प्रश्न क्रमांक २ का उत्तर

बच्चे अपने माता-पिता की प्रतिक्षा कर रहे हैं। उनके माता-पिता सुबह से उनके लिए भोजन की तलाश में निकल गए होंगे।
इस प्रकार ह भूख से व्याकुल और अपने माता-पिता के प्रेम से वंचित बच्चे अपने नीड़ों से झाँक रहे होंगे। ऐसे में बच्चे अपने माता-पिता के घर लौटने पर ना केवल उनसे भोजन की आशा करेंगे ~~अपी~~ अपितु उनके प्रेम पाने के लिए भी व्याकुल होंगे। [illegible] कारण है कि बच्चे नीड़ों से [illegible] रहे हैं।

प्रश्न क्रमांक 7 का उत्तर (अथवा)

कवि उमाशंकर द्वारा रचित कविता "छोटा मेरा खेत" में 'अंधड़' से अभिप्राय - भावनात्मक आवेगों की आँधी से है और 'बीज' का ~~तात्पर्य~~ - की विचारों और अभिव्यक्ति से है।

प्रश्न क्रमांक 8 का उत्तर

'महादेवी वर्मा' द्वारा रचित 'संस्मरणात्मक रेखाचित्र' 'भक्तिन' में ~~अपन~~ उन्होंने अपनी सेविका भक्तिन के ~~संघ~~ संघर्षमयी जीवन का वर्णन किया है।
महादेवी वर्मा बताती है कि भक्तिन के आ जाने से वे किस प्रकार देहाती बन गई।
भक्तिन अपनी मांश अनुसार भोजन ~~ज~~ जैसी की सफेद लपसी, तिल लगाकर बनाये हुए पुए इत्यादि बनाकर महादेवी वर्मा को दिया करती थी।
इस प्रकार, भक्तिन के आ जाने से महादेवी वर्मा देहाती भोजन खाकर देहाती बन गई।

MPBSE

MPBSE

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 9 का उत्तर

हजारी प्रसाद द्विवेदी जी ने अपने लिखित निबन्ध 'शिरीष के फूल' में शिरीष को कालजयी अवधूत की तरह बताया है। वे कहते हैं कि जिस प्रकार एक अवधूत सांसारिक बन्धनों से ऊपर उठकर सभी को 'अजेयता' का मन्त्र देता है और अपनी जीवन की ~~विपरी~~ विपरीत परिस्थितिओं में स्थिर रहता है। ठीक उसी प्रकार शिरीष भी जेठ की तपती गर्मी, अग्नि और भाद्रों मास की उमस में ऊपर से नीचे तक खिला रहता है। उसे देखकर ऐसा लगता है कि मानों उसने समय और जीवन को भी जीत लिया हो। शिरीष और अवधूत में यही समानता होने के कारण लेखक ने 'शिरीष' को कालजयी अवधूत की तरह कहा है।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 10 का उत्तर

"यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ ढल सकने में सफल होती हैं किन्तु यशोधर बाबू असफल रहते हैं"।

इसका कारण यह है कि यशोधर बाबू की पत्नी मातृसुलभ प्रेम के कारण अपने बच्चों के अनुसार चलती थी और वह एक बड़े परिवार में रहती थी, जहाँ उन्हें उनके अधिकारों से वंचित रखा गया।
दूसरी तरफ यशोधर बाबू बचपन से ही अपने आदर्श 'किशनदा' के साथ रहते थे जो कि आधुनिक सोच के विरोधी थे। अपने आदर्श पुरुष के विचारों को अपनाने के कारण यशोधर बाबू आधुनिकता को सोच में ढलने में असमर्थ रहे।

प्रश्न क्रमांक 11 का उत्तर (अथवा

~~मुद्रित माध्यमों में लेखन के लिए निम्न बातों का ध्यान~~ देना चाहिए।

~~1. मुद्रित माध्यमों के लेख में गूढ़ शब्दावली,~~

समाचार लेखन में मुख्यतः निम्न छः सवालों का जवाब देने की ~~किस~~ कोशिश की जाती है-

क्या, कौन, कहाँ, कैसे, कब और क्यों?
इनको हम समाचार लेखन के छः ककार कहते

प्रश्न क्र.

है। इन्ही के माध्यम से समाचार पत्रों में किसी घटना का वर्णन किया जाता है।

प्रश्न क्रमांक १२ का उत्तर (अथवा)

विरोधाभास अलंकार :

"जब किसी पदार्थ, क्रिया या वस्तु में वास्तविक विरोध ना होते हुए भी विरोध का आभास हो, तो वहाँ विरोधाभास अलंकार होता है।"

उदाहरण :

अनुरागी चित्त की गति समझै नहि कोय।
ज्यों बूड़े श्याम रंग, त्यों-त्यों उज्जवल होय॥"

M
P
B
S

प्रश्न क्रमांक 13 का उत्तर (अथवा)

अभिधा शब्द शक्ति

"जिस शक्ति के माध्यम से किसी शब्द के मुख्यार्थ का बोध हो, उस शब्द शक्ति को हम 'अभिधा शब्द शक्ति' की संज्ञा देते हैं।"

उदाहरणत:

"राम राजा दशरथ के पुत्र हैं।"

प्रश्न क्रमांक 15 का उत्तर (अथवा)

निपात शब्द:

वाक्य पर बल या जोर देने के लिए जिन शब्दों का प्रयोग किया जाता है, वे शब्द निपात शब्द कहलाते हैं।

उदाहरण → भी, तो, मात्र।

MPBSE

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION
मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 15 का उत्तर

वाक्य शुद्ध कीजिए :

(i) ईश्वर के अनेक नाम है।

(ii) मुझे केवल बीस रुपये दीजिए।

MPBSE

प्रश्न क्रमांक 18 का उत्तर

तत्सम	तद्भव
1. तत्सम का अर्थ होता है - ज्यों का त्यों।	1. तद्भव का अर्थ होता है - उससे उत्पन्न।
2. जो शब्द संस्कृत भाषा के है और हिन्दी में ज्यों-के त्यों प्रयुक्त किए जाते है, वे शब्द तत्सम शब्द कहलाते है।	2. जो शब्द मूलतः संस्कृत के है किन्तु अन्य भाषाओं के प्रभाव के कारण उनका रूप परिवर्तित हो गया है, ऐसे शब्द तद्भव शब्द कहलाते है।

प्रश्न क्र.

तत्सम	तद्भव
1. सूर्य	सूरज
2. रात्रि	रात

प्रश्न क्रमांक 19 का उत्तर

(i) गद्यांश - " शौर्यभाव"

(ii) राष्ट्रीय भावना में "शौर्यभाव" का अपना विशिष्ट स्थान होता है।

(iii) सुदीर्घ का अर्थ - 'लम्बा'

प्रश्न क्र.

M P B S

2

प्रश्न क्रमांक २२ का उत्तर (अथवा)

52, रामनगर कॉलोनी,
इन्दौर, (म.प्र.)।

प्रिय मित्र ~~विम~~ कमलेश,
सप्रेम प्रणाम।

मैं यहाँ कुशलतापूर्वक हूँ और आशा करता हूँ कि तुम भी वहाँ सकुशल होगें। तुम्हें यह जानकर बहुत प्रसन्नता होगी कि मेरे बड़े भाई 'रघुवीर' का विवाह २२ मार्च, २०19 को "साहू मैरिज गार्डन" में अयोजित की जा रही है। तुम्हें तो पता ही है कि ऐसे शुभ अवसर पर तुम्हारा साथ मेरे लिए कितना आनन्दमयी होगा। तुम्हें दो-तीन दिन पहले से ही आना पड़ेगा ताकि तुम विवाह के समस्त कार्यक्रमों में भाग ले सकोगे। पत्र के साथ निमन्त्रण पत्र भी भेज रहा हूँ।

दिनांक: 13 मार्च, 2019

तुम्हारा अभिन्न मित्र,
सुरेश